

5257

4

changes in the mercantile operations and the economy of India?

सत्रहवीं शताब्दी में हिन्द महासागर में यूरोपीय व्यापारिक गतिविधियों का विवरण कीजिये। क्या इनसे व्यापार संचालन एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ?

8. How have the recent writings based on regional studies changed our perception of the first half of the 18th century in Indian history?

प्रादेशिक अध्ययनों पर आधारित हाल के लेखों ने किस प्रकार अठारहवीं शताब्दी पूर्वार्ध के भारतीय इतिहास के बारे में हमारी समझ को बदल दिया है?

(4500)

[This question paper contains 4 printed pages.]

29.12.2023 (M)  
Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5257

G

Unique Paper Code : 12311504

Name of the Paper : History of India-VII (c. 1600-1750)

Name of the Course : B.A. (Hons) History

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **four** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. In what ways do the literary tradition of Mangal Kavya reflect upon the socio-political and cultural responses to the Mughal and Maratha incursions of Bengal during 16<sup>th</sup>-18<sup>th</sup> centuries.

मंगल काव्य साहित्यिक परंपरा किस तरह से सोलहवीं-अठारहवीं शताब्दियों के दौरान बंगाल पर मुगल एवं मराठा आक्रमणों के प्रति सामाजिक-राजनीतिक एवं सांस्कृतिक प्रतिक्रियाओं को प्रतिबिंबित करती है।

2. With special reference to Marwar and Mewar, discuss the factors that led to a breach in Mughal-Rajput relations during the 17<sup>th</sup> century.

मारवाड़ और मेवाड़ के विशेष सन्दर्भ में, उन कारणों की विवेचना कीजिये जिनसे सत्रहवीं शताब्दी में मुगल-राजपूत संबंधों में विच्छेद उत्पन्न हुआ।

3. Did the Maratha polity under Shivaji and the Peshwas mark a significant departure from those of the

contemporary Deccan kingdoms?

क्या शिवाजी एवं पेशवाओं के अधीन विकसित मराठा राजतंत्र समकालीन दक्कन राज्यों से महत्वपूर्ण रूप में भिन्न थी?

4. Describe Dara Shikoh's ideals of syncretism with special reference to his scholarly pursuits.

उसके विद्वतापूर्ण खोजों के विशेष सन्दर्भ में दारा शिकोह के समन्वयनवादी आदर्शों का विवरण कीजिये।

5. In what ways was the concept of *Mirza/Mirzai* reflective of the courtly culture of the Mughals? Illustrate with appropriate examples.

मिर्जा/मिरज़ई जैसी अवधारणा किस रूप में मुगलों की राजदरबारी संस्कृति को प्रतिबिंबित करती थी? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिये।

6. How do the planning and buildings of Shahjahanabad articulate an imperial ideology?

शाहजहाँनाबाद की निर्माण योजना एवं भवन किस प्रकार एक शाही विचारधारा को व्यक्त करते हैं?

7. Describe the European trading activities in Indian Ocean in the 17<sup>th</sup> century. Did it bring about significant